अव्यक्त पालना का रिटर्न

परमात्मा के सहयोगी स्वरूप का यादगार

1 जैसे शरीर की विशेष कार्यकर्ता भुजायें हैं, वैसे बाप–दादा के कर्त्तव्य में कार्यकर्ता निमित्त रूप में हम सब बच्चे हैं।

सदैव बाप के सहयोगी अर्थात् स्वयं को बाप की भुजाएँ समझ कार्य करने वाले।

2 भुजाओं में भी एक है राइट हैण्ड (*Right Hand*), दूसरे हैं लेफ्ट हैण्ड (*Left Hand*)। लेकिन सहयोगी दोनों हैं। इसलिये साकार बाप ब्रह्मा की अनेक भुजायें प्रसिद्ध हैं।

06.02.76

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न : मीठे बाबा, आप के राइट हैण्ड सहयोगी आत्माओं की क्या विशेषतायें है

उत्तर : मीठे बच्चे, राइट हैण्ड सहयोगी बच्चो की निम्न विशेषताये है :

1. राइट हैण्ड सदा स्वच्छ अर्थात् शुद्ध और श्रेष्ठ है। जैसे कोई भी श्रेष्ठ व शुद्ध कार्य शरीर के राइट हैण्ड द्वारा ही किया जाता है, ऐसे बाप-दादा के सहयोगी राइट हैण्ड सदा बोल में, कर्म में और सम्पर्क में श्रेष्ठ और शुद्ध अर्थात् प्योर (Pure) रहते हैं।

2. जैसे भुजाओं द्वारा कार्य कराने वाली शक्ति 'आत्मा' है, भुजायें करनहार हैं और आत्मा करावनहार है, ऐसे ही राइट हैण्ड सहयोगी सदैव अपने करावनहार बाप को स्मृति में रखते हुए निमित्त करनहार बनते हैं। स्वयं को करावनहार नहीं समझते है।

3. उनके हर कर्म में न्यारेपन, निरहंकारीपन और नम्रतापन के नव-निर्माण की श्रेष्ठता भरी हुई होगी। हर सेकेण्ड, हर संकल्प सम्पूर्ण पवित्र अर्थात् स्वच्छ होगा, जिसको सच्चाई और सफाई कहते हैं।

06.02.76

मन की बात... बापदादा के साथ

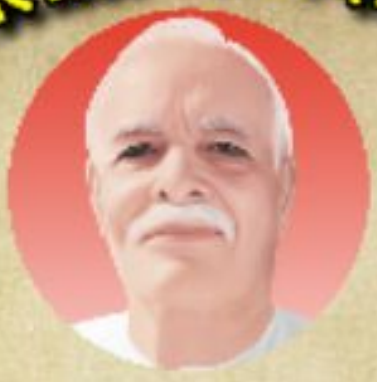

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, विशेष कार्य के लिए आप ने किन हैण्ड का सहयोग लिया है और क्यों?

बापदादा :- मीठे बच्चे,

राइट हैण्ड आत्माओ का सहयोग बापदादा ने विशेष कार्य के लिए लिया है क्योंकि :-

💎 राइट हैण्ड विशेष शक्तिशाली होते हैं। वैसे कोई भी विशेष बोझ उठाने के लिये राइट हैण्ड ही उठाया जाता है। ऐसे राइट हैण्ड सहयोगी आत्मा सदैव विश्वकल्याण, विश्व-परिवर्तन के कार्य के जिम्मेवारी का बोझ अर्थात् रिस्पोन्सीबिलिटी (Responsibility) अति सहज रीति से उठा सकते हैं।

💎 वे अपने को रिस्पॉन्सीबल (Responsible) अनुभव करते है, सदा मास्टर सर्वशक्तिवान की स्थिति अनुभव करते है।

💎 राइट हैण्ड की विशेषता - कार्य की गति में अर्थात् स्पीड में तीव्रता होती है। ऐसे ही राइट हैण्ड (RIGHT Hand) सहयोगी आत्मा भी हर सब्जेक्ट (Subject) की धारणा में व प्रैक्टिकल स्वरूप को लाने में तीव्र पुरुषार्थी , सदा एवर-रेडी (Ever-Ready) होते है।

06.02.76

6-2-76
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु

परमात्मा के सहयोगी स्वरूप को
यादगार कौन-सा दिखाया है?

परमात्मा के सहयोगी - स्वरूप
भुजाओं के रूप मे दिखाया है

1) जैसे शरीर की विशेष कार्यकर्ता
भुजाये है, वैसे बाप-दादा के
कर्तव्य मे कार्यकर्ता
निमित्त रूप मे हम सब
बच्चे है सदैव बाप के
सहयोगी अर्थात् स्वयं
को बाप की भुजाएं
समझ कार्य
करने वाले

2) भुजाओं में भी एक है
राइट हैंड [RIGHT Hand],
दूसरे है लेफ्ट हैंड
[Left Hand]
लेकीन सहयोगी दोनो है
इसलिए साकार बाप
ब्रह्मा की
अनेक भुजाये
प्रसिद्ध है

06-02-76 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं बाबा का सहयोगी राइट हैण्ड ब्राह्मण हूँ।

बाबा का सहयोगी राइट हैण्ड ब्राह्मण अर्थात् करावनहार बाप को स्मृति में रखते हुए निमित्त करनहार कर्म करने वाली। स्वयं के परिवर्तन से समय का परिवर्तन करने वाली।

06-02-76

बाबा के सहयोगी - राइट हैण्ड और लैफ्ट हैण्ड

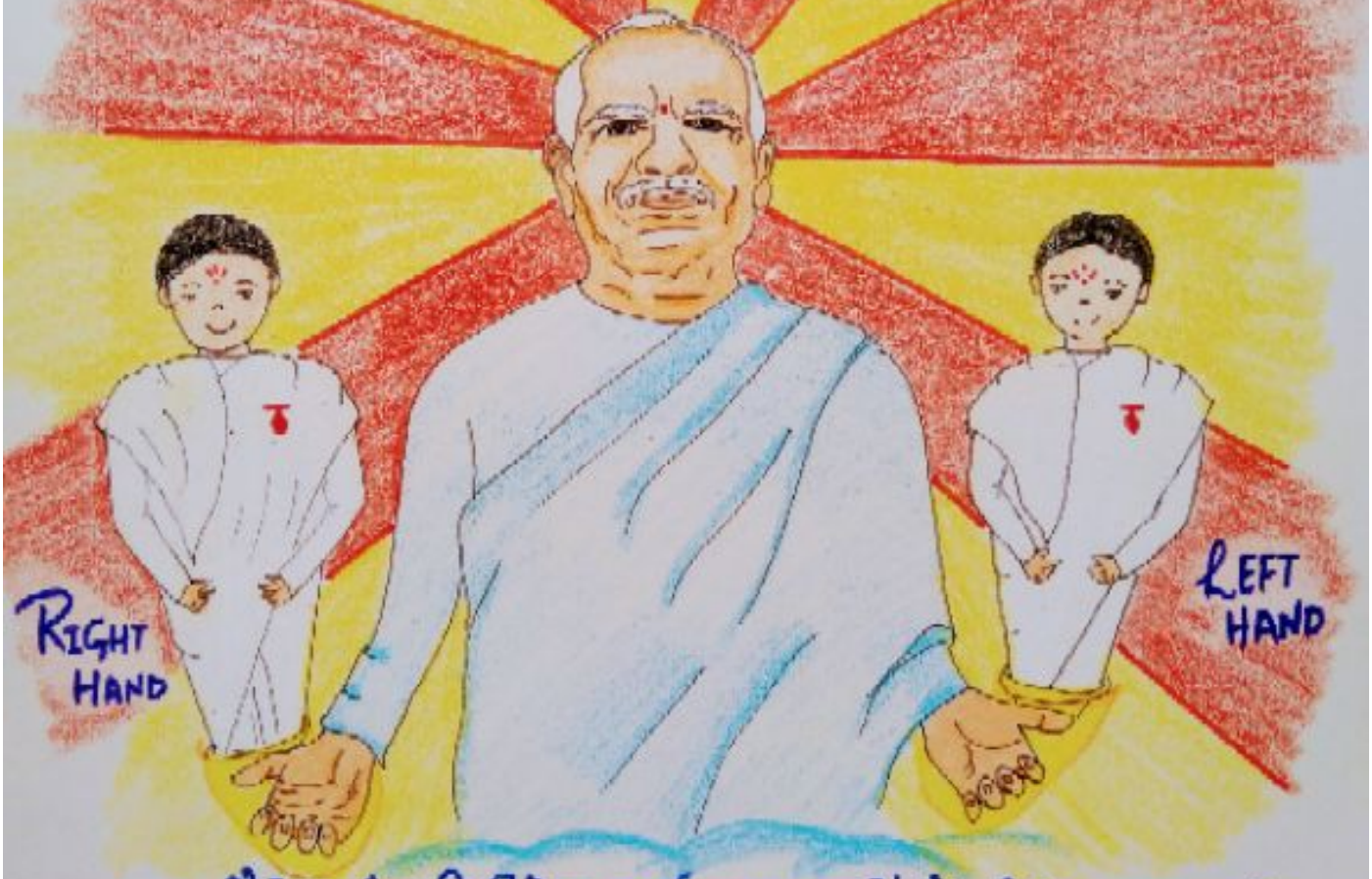

— जैसे शरीर की विशेष कार्यकता भुजायें हैं, वैसे बापदादा के कर्त्तव्य मे कार्यकर्ता निमित रूप मे हम सब बच्चे हैं। सदैव बाप के सहयोगी अर्थात् स्वय को बाप की भुजाएँ समझ कार्य करनेवाले

— जो बच्चे करावनहार बाप को स्मृति में रखते हुए निमित करनहार बनते है, उन के कर्म में न्यारेपन और निरहकारीपन और नम्रतापन तथा नव निर्माण की श्रेष्ठता भरी हुई होगी।